कर्फ्यू तथा अन्य कहानियाँ

क्रम

कर्फ्यू	13
राजा का चौक	24
गणित	38
बदली तुम हो सादिया	47
वारिस	55
निकम्मा लड़का	70
एक पैर वाला शेर	78
दर्द	88
मूषक	102
बंतो	107
औरत और औरत	119
अँगूठी	125
सन्नाटे के आगे	135
एक बेताल कथा और	144
एक निर्णय	151

कर्फ्यू तथा अन्य कहानियाँ
(ब्लर्ब से)

नमिता सिंह की कहानियाँ नारी विमर्श के चर्चित फार्मूले के अंतर्गत नहीं आती हैं। उनकी कहानियाँ नारी की देह मुक्ति की कहानियाँ नहीं हैं बल्कि सामंती संस्कृति से मुक्ति की कहानियाँ हैं। उनके यहाँ सेक्स सार्वजनिक प्रदर्शन का विषय नहीं है। नारी विमर्श में उनकी कहानियाँ समग्र समाज के एक हिस्से के रूप में संघर्ष करती हुई स्थितियों को बदलने का प्रयास करती हैं।

राजनीतिक चेतना और आर्थिक संबंधों में बदलाव के बिना कोई सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं है। सामाजिक परिस्थितियों का वस्तुगत विश्लेषण बिना सही जीवन दृष्टि के संभव नहीं है। ये जीवन दृष्टि उनकी चर्चित कहानियों गणित, बंतो, राजा का चौक, दर्द और वारिस जैसी कहानियों में देखी जा सकती है।

नमिता सिंह अपने समय के उन कहानीकारों में हैं जिनके पास गहरी वर्ग दृष्टि है। नाले पार का आदमी, बसंती काकी, उबारने वाले हाथ जैसी कहानियों में यह वर्ग दृष्टि सामाजिक संबंधों की सही पड़ताल करती है। उनकी कहानियों का संसार बहुत विस्तृत है। सांप्रदायिकता और जातिवाद जैसे विषयों पर उनकी कई महत्त्वपूर्ण कहानियाँ हैं। इसके अलावा राजनीति का अपराधीकरण, काले धन की संस्कृति तथा नौजवानों और मजदूर वर्ग पर भी उनकी अनेक चर्चित कहानियाँ हैं।

(कुँवरपाल सिंह : भूमिका से)